सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 185 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 9 अगस्त, 2024
मूल्य ₹ 3/-

किसी आदमी का असली चरित्र तब सामने आता है जब वो नशे में होता है।
-चार्ली चैपलिन

स्वर्णिम भाले से चूके नीरज, चांदी... 7 | महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से... 3 | भारत छोड़ो आंदोलन में समाजवादी... 2

सिसोदिया को सुप्रीम राहत पर एनडीए सरकार पर विपक्ष का करारा प्रहार

आप बोली- यह फैसला मोदी सरकार की तानाशाही पर जोरदार तमाचा

» सपा व कांग्रेस ने भी किया निर्णय का स्वागत, भाजपा ने कहा-आप नेता ने किया है पाप

» 17 महीने बाद जेल से बाहर आएंगे दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम

» दिल्ली आबकारी नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की आबकारी नीति और धन शोधन से जुड़े अहम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत दे दी है। उनको जमानत मिलते ही सियासत भी गरमा गई है। आप ने इसे सच्चाई की जीत बताई हे तो भाजपा ने कहा है कि अभी वही निर्दोष साबित नहीं हुए हैं। दो जजों की पीठ आज दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम की जमानत याचिका पर फैसला सुनाया। सर्वोच्च न्यायालय ने उन पर शर्त लगाते हुए निर्देश दिया कि वे अपना पासपोर्ट जमा कर दें। उन्हें हर सोमवार को थाने में गवाही देनी होगी।

इसके साथ ही कोर्ट ने उनसे कहा कि वे गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश न करें। कोर्ट ने उन्हें सचिवालय जाने की इजाजत दी है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने सुनवाई के बाद छह अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था।कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया 17 महीने से हिरासत में हैं और अभी तक मुकदमा शुरू नहीं हुआ है, जिससे उन्हें त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित होना पड़ रहा है। इन मामलों में जमानत मांगने के लिए उन्हें ट्रायल कोर्ट में भेजना न्याय का मखौल उड़ाना होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट यह स्वीकार करें कि जमानत का सिद्धांत एक नियम है और जेल एक अपवाद है।

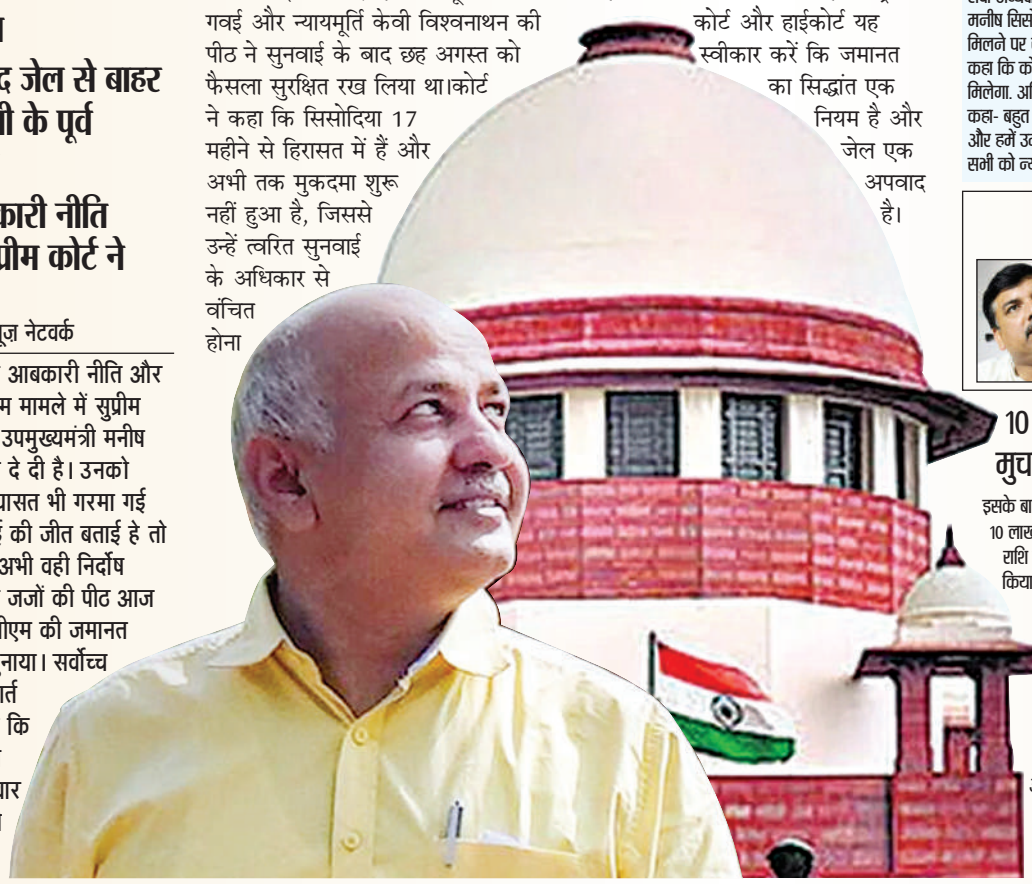

10 लाख रुपये का निजी मुचलका भरने का निर्देश

इसके बाद कोर्ट ने निर्देश दिया कि सिसोदिया को 10 लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानतदारों पर जमानत पर रिहा किया जाए। बता दें कि सिसोदिया को रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 बनाने, इसके कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पहले 26 फरवरी, 2023 को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था। बाद में कई अलग-अलग आरोपों के तहत प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने भी सिसोदिया पर शिकंजा कसा। उन्होंने 28 फरवरी 2023 को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

हमें उम्मीद है सबको न्याय मिलेगा : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने पर खुशी जताई और कहा कि कोर्ट से सबको न्याय मिलेगा. अखिलेश यादव ने कहा- बहुत खुशी की बात है और हमें उम्मीद है कि न्यायालय सभी को न्याय देगा। सभी को न्याय मिलेगा।

आज सच्चाई की जीत हुई : आतिशी

दिल्ली की मंत्री आतिशी एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि आज सच्चाई की जीत हुई है, दिल्ली के छात्रों की जीत हुई है। उन्हें (मनीष सिसोदिया) को जेल में डाल दिया गया क्योंकि उन्होंने गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा दी।

17 महीने का हिसाब कौन देगा : संजय

संजय सिंह ने अपने एक्स पर लिखा-17 महीने के लंबे इंतजार के बाद हमें यह जीत मिली है। मैं पीएम मोदी और बीजेपी से पूछना चाहता हूं कि वे कब तक बदले की राजनीति करते रहेंगे? सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश मोदी सरकार की तानाशाही पर जोरदार तमाचा है। बीजेपी ने उस व्यक्ति को 17 महीनों तक जेल में रखा, जिसने दिल्ली के सरकारी स्कूलों को बेहतरीन बनाया। बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा का इंतजाम किया। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है।

“जमानत का मतलब ये नहीं है कि आरोपी दोषी नहीं है। मनीष सिसोदिया बेल पर रिहा जरूर हुए हैं लेकिन जांच अभी चल रही है। भाजपा हमेशा से कोर्ट के निर्णय का सम्मान करती है। जो लोग आज सत्यमेव जयते लिख रहे हैं। पिछले हफ्ते इनका गला सूख गया था। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय जो दिल्ली नगर निगम पर आया था उस समय जिस प्रकार की बौखलाहट इन्होंने दिखाई थी वो दिखाता था कि इनका कोर्ट के प्रति कितना सम्मान है। जांच अभी चल रही है। शराब नीति घोटाले में सब दोषी करार दिए जाएंगे।

वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष

“इस साल ही उनकी जमानत याचिका सात बार खारिज हो चुकी है। आज उनके वकीलों ने मेरिट के आधार पर दलील नहीं दी, उनकी दलीलें देरी पर आधारित थीं। मनीष सिसोदिया 17-18 महीने जेल में रहे और उसी आधार पर - ट्रायल में देरी के आधार पर, उन्हें जमानत दे दी गई। सिसोदिया अभी भी आरोपी हैं, और दिल्ली के लोगों के साथ विश्वासघात करने के लिए उनकी जवाबदेही कानून की अदालत में है।

बांसुरी स्वराज, भाजपा सांसद

विनेश फोगाट की अपील पर होगी सुनवाई

» ओलंपिक कमेटी के खेल पंचाट में मामला पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट की अपील पर खेल पंचाट (सीएएस) में आज सुनवाई हो सकती है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को भारतीय समयानुसार दोपहर एक बजे के आसपास सुनवाई होने की संभावना है।

वहीं, अंतरिम फैसला करीब एक घंटे बाद आने की उम्मीद है। गुरुवार को खेल पंचाट ने महिलाओं की 50 किग्रा कुश्ती में संयुक्त रजत पदक की मांग करने की विनेश की याचिका को स्वीकार कर लिया था। यह विनेश फोगाट और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के लिए राहत की बात है।

हरीश साल्वे करेंगे बहस

देश के जाने-माने वकील हरीश साल्वे शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक से पहलवान विनेश फोगाट की पैरवी करेंगे। साल्वे ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उन्हें खेल पंचाट में फोगाट का प्रतिनिधित्व करने के लिए आईओए द्वारा नियुक्त किया गया है।

राज्यसभा में सभापति व जया बच्चन में तीखी तकरार

» सदन में फिर हुआ हंगामा सपा नेता बोलीं- आपका लहजा स्वीकार्य नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 14वें दिन फिर सदन में हंगामा हुआ। राज्य सभा में सभापति जगदीप धनखड़ और विपक्षी नेताओं के बीच तनातनी देखी गई। आज उच्च सदन की सदस्य जया बच्चन और उपराष्ट्रपति जया बच्चन आमने-सामने आ गए। जया बच्चन ने कहा कि मैं जया अमिताभ बच्चन यह बोलना चाहती हूं कि मैं कलाकार हूं।

बॉडी लैंग्वेज समझती हूं और चेहरे की अभिव्यक्ति समझती हूं। सर! माफ कीजिएगा, आपका लहजा स्वीकार्य नहीं है। भले ही आप आसन पर बैठे हैं, लेकिन हम आपके साथी हैं। राज्यसभा सदस्य जया बच्चन ने बाद में मीडिया से बातचीत में कहा, वो डांटने वाले कौन होते हैं, मैं यह स्वतंत्रता किसी और को नहीं दे सकती। मेरे साथ अपमानजनक बर्ताव हुआ। वहां लहजा खराब है, कितना हम सहन करें? सत्तापक्ष के लोग कुछ भी बोलते हैं, उस पर हम कुछ कहें तो कहा जाता है कि चैम्बर में आकर बात करें। हम चैम्बर में क्यों जाएं? वहां फ्लोर पर ही बात होनी चाहिए।जया बच्चन ने कहा, वो बुद्धिहीन जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वो कहते हैं कि आप होंगी सेलिब्रिटी, हम परवाह नहीं करते। मत कीजिए परवाह, मैं सेलिब्रिटी नहीं, राज्यसभा सदस्य की हैसियत से यहां हूं। ...अब आगे हमारे विपक्ष के नेता जो कहेंगे, हम वही करेंगे।

भारत छोड़ो आंदोलन में समाजवादी नेताओं की बड़ी भूमिका : अखिलेश

» बोले- देश को संविधान से समान हक और सम्मान मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि 9 अगस्त 1942 की तारीख भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की ऐतिहासिक एवं निर्णायक तिथि है। 8 अगस्त 1942 की रात महात्मा गांधी ने अंग्रेजों से भारत की मुक्ति के लिए करो या मरो का मंत्र दिया था। सभी बड़े नेताओं की नौ अगस्त की तड़के सुबह गिरफ्तारी के बाद समाजवादियों ने ही भारत छोड़ो आंदोलन की कमान संभाली थी।

अंग्रेजों की तमाम घेराबंदी के बावजूद अरुणा आसिफ अली ने 9 अगस्त 1942 को बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर जनविद्रोह का आगाज कर दिया तो डॉ. राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, ऊषा मेहता आदि समाजवादियों ने मिलकर भारत छोड़ो आंदोलन को नई गति दी। राममनोहर लोहिया ने ऊषा मेहता के साथ भूमिगत रेडियो का संचालन किया। जयप्रकाश नारायण ने हजारीबाग जेल की दीवार फांदकर उस क्रांति के नई सनसनी पैदा कर दी।

स्वतंत्रता आंदोलन के साथ देश में परिवर्तन की नई मंजिलें तय कीं

अखिलेश ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के साथ देश में परिवर्तन की नई मंजिलें तय की गईं। जो दलित, वंचित, शोषित थे उन्हें संविधान में समान हक और सम्मान मिला। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रयासों से गरीब-अमीर सभी को एक वोट का समान अधिकार मिला। अखिलेश ने कहा कि देश की विविधता और सामाजिक सौहार्द को नष्ट करने वाली ताकतें आज नफरत फैलाने में लगी हैं।

भाजपा रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही वहीं अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है। उन्हें लिखकर देना चाहिए कि वक्फ की जमीनें नहीं बेची जाएंगी। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि 'वक्फ़ बोर्ड' का ये सब संशोधन भी बस एक बहाना है। रक्षा, रेल, नजूल लैंड की तरह ज़मीन बेचना निशाना है। वक्फ़ बोर्ड की जमीनें, डिफेंस लैंड, रेल लैंड, नजूल लैंड के बाद 'भाजपाइयों के लाभार्थ योजना' की श्रृंखला की एक और कड़ी मात्र हैं। भाजपा क्यों नहीं खुलकर लिख देती 'भाजपाई-हित में जारी।

वक्फ मामले में दखलंदाजी न करे केंद्र सरकार: मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- सरकार राष्ट्रधर्म निभाए, धर्म पर राजनीति न करे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा में पेश किए गए संशोधन विधेयक पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व बसपा सुप्रीमो मायावती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। मायावती ने कहा कि केन्द्र व यूपी सरकार द्वारा मस्जिद, मदरसा और वक्फ आदि मामलों में जबरदस्ती की दखलंदाजी तथा मन्दिर व मठ जैसे धार्मिक मामलों में अति-दिलचस्पी लेना संविधान व उसकी धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्त के विपरीत अर्थात ऐसी संकीर्ण व स्वार्थ की राजनीति क्या जरूरी है? सरकार राष्ट्रधर्म निभाए।

मन्दिर-मस्जिद, जाति, धर्म व सांप्रदायिक उन्माद आदि की आड़ में कांग्रेस व भाजपा आदि ने बहुत राजनीति कर ली और उसका चुनावी लाभ भी काफी उठा लिया किन्तु अब देश में खत्म हो रहा आरक्षण व गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पिछड़ापन आदि पर ध्यान केन्द्रित करके सच्ची देशभक्ति साबित करने का समय है। उन्होंने कहा कि आज संसद में पेश वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जिस प्रकार से इसको लेकर संदेह, आशंकाएं व आपत्तियां सामने आई हैं उसके मद्देनजर इस बिल को बेहतर विचार के लिए सदन की स्थायी (स्टैण्डिंग) समिति को भेजना उचित रहेगा। ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर सरकार अगर जल्दबाजी न करे तो बेहतर होगा।

मोदी जी बांग्लादेश में रुकवा दीजिए हिंदुओं पर अत्याचार : उद्धव ठाकरे

» बोले- जब पीएम यूक्रेन में युद्ध रुकवा सकते हैं तो पड़ोस में हिंसा भी रुकवाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हिंसाग्रस्त बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार रोकने की चुनौती दी। ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री यूक्रेन में युद्ध रोक सकते हैं, वह निश्चित रूप से भारत के पड़ोसी देश में ऐसा कर सकते हैं। अगर प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन में युद्ध रोक सकते हैं, तो उन्हें बांग्लादेश में भी इसी तरह के कदम उठाने चाहिए और वहां के हिंदुओं को बचाना चाहिए।

ठाकरे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वह यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध रोक सकते हैं, तो पापा को भी इस युद्ध को रोकने के लिए कहें। पापा, बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं, कृपया उनके साथ न्याय करें। बांग्लादेश से शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ठाकरे ने आशंका जताई कि भारत में भी ऐसी ही स्थिति बन सकती है। क्या आपको

लगता है कि भारत में भी ऐसी ही स्थिति बननी चाहिए? केवल एक ही संदेश है... जनता सर्वोच्च है और किसी भी राजनेता को उनके धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं, तो जन अदालत क्या कर सकती है, यह बांग्लादेश में देखा गया। जनता की अदालत सर्वोच्च है। बांग्लादेश में लोगों की अदालत ने फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों को रजाकर्स कहा जाता है। इसी तरह, उन्होंने दावा किया कि भारत में प्रदर्शनकारी किसानों को आतंकवादी कहा गया। राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन करने आए किसानों को आतंकवादी कहा गया। बांग्लादेश की ये स्थिति हर किसी के लिए चेतावनी है। किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह भगवान से ऊपर है।

जमीनी स्तर पर अनुच्छेद-370 के दावे खोखले : उमर

» बोले- पीएम हार के डर के कारण विस चुनाव नहीं करा रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। देश ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने की पांचवीं वर्षगाँठ 5 अगस्त 2024 को बड़े धूमधाम से मनाई। लेकिन यह खुशी उमर अब्दुल्ला ने इसको लेकर एनडीए सरकार व भाजपा को घेरा। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद नया और समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाने के भाजपा के दावों को लेकर उस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि जमीनी स्तर पर स्थिति बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने कहा, मैं यह पूछने के लिए मजबूर हूं कि (केंद्र शासित प्रदेश के) लोगों को पिछले पांच वर्षों में क्या मिला है।

कठुआ जिले के नगरी में एक रैली को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला खुशहाल जम्मू-कश्मीर बनाने की बात कर रहे थे, लेकिन जमीनी स्थिति बिल्कुल विपरीत है और यही कारण है कि वे हार के डर के कारण आज तक विधानसभा चुनाव नहीं करा सके। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के इस बयान का जिक्र करते हुए कि विधानसभा चुनाव सितंबर में होंगे, उन्होंने कहा, ''अगर

वे अब चुनाव की बात कर रहे हैं तो वे हम पर कोई एहसान नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह उच्चतम न्यायालय ही था, जिसने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाये जाने पर फैसला सुनाते हुए विधानसभा चुनाव कराने के लिए 30 सितंबर की समयसीमा तय की थी, अन्यथा वे किसी बहाने इसमें फिर देरी कर देते। उपराज्यपाल (मनोज सिन्हा) ने भी चुनाव कराने की बात कही है और हम चुनावों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से भी की मुलाकात

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की एक टीम गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए राजनीतिक दलों के साथ बैठक करेगी। बैठक कुछ ही देर में शुरू होगी, जब राजनेता श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में आना शुरू करेंगे। चुनाव अधिकारियों ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले राजनीतिक दलों से फीडबैक मांगा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में टीम आज सुबह यहां पहुंची और शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगी। अधिकारियों ने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), पीपुल्स डेमोक्रटिक पार्टी (पीडीपी), भाजपा, कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर पैंथर्स पार्टी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि चुनाव आयोग की टीम से मिलने एसकेआईसीसी पहुंचे। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी के पोल समेत पुलिस और नागरिक प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी एसकेआईसीसी पहुंचे। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में टीम आज सुबह श्रीनगर पहुंची।

पूर्व सपा विधायक आरिफ अनवर से ईडी ने की नौ घंटे पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलरामपुर। बलरामपुर के उतरौला से पूर्व सपा विधायक आरिफ अनवर हाशमी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 9 घंटे तक पूछताछ की। ईडी ने आरिफ, उनके परिजनों और करीबियों के खिलाफ बीते माह प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। उनकी पत्नी और परिजनों से पूछताछ के बाद पूर्व विधायक को तलब किया गया था। पूछताछ राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय में की गई।

सूत्रों की मानें तो आरिफ अपनी बेशुमार संपत्तियों को खरीदने में व्यय रकम का हिसाब नहीं दे सके हैं। उन्हें जल्द दोबारा तलब किया जाएगा। ईडी के अधिकारियों ने संपत्तियों की

फेहरिस्त सामने रखकर आरिफ से सवाल किए। पूर्व विधायक ने परिजनों और करीबियों की संपत्तियों से कोई संबंध होने से इन्कार कर दिया। जब अधिकारियों ने यूपी पुलिस द्वारा उनकी करीब 115 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने के बारे में पूछा तो उन्होंने राजनीतिक वजहों से उनको निशाना बनाए जाने की बात कही।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले जोर-आजमाइश

सियासी दलों की यात्रा के जरिए सत्ता पाने की ख्वाहीश

एनसीपी के दोनों गुटों में सम्मान और स्वाभिमान की जंग

- एमवीए में शामिल हो सकती है आप
- भाजपा व शिवेसना के दोनो धड़ों ने भी संभाला मोर्चा
- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शिव स्वराज्य यात्रा निकालेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के राजनीति में रोज कुछ कुछ नया हो रहा है। जहां बीजेपी अपनी साख बचाने को लेकर एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है वहीं एनसीपी व शिवेसना के दोनो गुट भी कमर कस रहे हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ, पूर्व मित्रों, शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और वरिष्ठ भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के बीच प्रतिद्वंद्विता तेज हो गई है और उनके बीच तीखी जुबानी जंग अब और अधिक कड़वी और व्यक्तिगत हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने पुणे और मुंबई में कम से कम दो बैठकों में फड़णवीस की आलोचना करने के लिए कोई शब्द नहीं बोले, उनकी तुलना महत्वहीन ढेकुन (खटमल) से की और इससे छुटकारा पाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

एक अन्य बैठक में, उद्धव ने उन्हें तरबुज (तरबूज) कहा, जिसे गड्ढों में फेंक देना चाहिए। उधर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि अगर भाजपा और शिवसेना ने उन्हें मुख्यमंत्री पद का ऑफर दिया होता तो वे पूरी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को अपने साथ ले आते। उन्होंने कहा कि राजनीति में वे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दोनों से वरिष्ठ हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने घोषणा की कि वह महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले 9 अगस्त से शिव स्वराज्य यात्रा शुरू करेगी। यह घोषणा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट द्वारा 8 अगस्त से राज्यव्यापी अभियान जन सम्मान यात्रा शुरू करने से ठीक एक दिन पहले की गई है। एनसीपी के दोनों गुटों ने अपने पारंपरिक मतदाताओं तक पहुंचने के इरादे से नारों के साथ एक प्रोमो जारी किया। एनसीपी नासिक से अपनी रैली शुरू करेगी, वहीं शरद पवार का गुट जुन्नार के शिवनेरी किले से अपनी रैली शुरू करेगा, जिसे छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थान के रूप में जाना जाता है।इससे एनसीपी के दोनों गुटों के बीच सम्मान और स्वाभिमान के बीच टकराव शुरू हो गया है। अजीत खेमे ने राज्य में एनडीए के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन सरकार द्वारा घोषित लोकप्रिय योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए विकासात्मक राजनीति की तर्ज पर अपना अभियान बनाया है। दूसरी ओर, शरद पवार खेमे ने अपने पारंपरिक मतदाताओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने के लिए महाराष्ट्र के गौरव और स्वाभिमान को अपना एजेंडा बनाया है।

फडणवीस व उद्धव में तू-तू मैं-मैं

फड़नवीस ने नागपुर में पलटवार करते हुए कहा कि उन लोगों को नजरअंदाज करना सबसे अच्छा है जो अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उद्धवजी निराश हैं। वह जिस तरह के शब्दों और भाषा का इस्तेमाल कर रहा है उससे उसकी मानसिक स्थिति का पता चलता है। उनकी प्रलाप औरंगजेब फैन क्लब के नेता के रूप में उनकी साख को तेजी से स्थापित कर रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच मौखिक द्वंद्व का नवीनतम दौर राकांपा (शरदचंद्र पवार) नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के आरोपों से शुरू हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि फडणवीस ने उन्हें उद्धव और उनके बेटे आदित्य को झूठे मामलों में फंसाने के लिए मजबूर किया था। उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जांच को आसान बनाया जा रहा है। ऐसा लगता है कि उद्धव ने इस पर अमल कर लिया है और 31 जुलाई को मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन के दौरान डिप्टी सीएम को चुनौती दी कि या तो आप (फडणवीस) या मैं राजनीति में बने रहेंगे। उद्धव के करीबी सहयोगियों का दावा है कि अगर उनका परिवार इसमें शामिल है तो वह अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हमला करने से नहीं हिचकिचाते। सेना (यूबीटी) के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा कि उन्हें किसी तरह विश्वास है कि भाजपा उन्हें खत्म करना चाहती है। हालांकि महाराष्ट्र में चुनावों से पहले असंयमित भाषा के साथ राजनीतिक बयानबाजी असामान्य नहीं है, कई कारकों के कारण दोनों नेता - जिन्हें कभी एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए अपने रास्ते से हटते हुए देखा जाता था।

सरकार विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता बरकरार रखेगी : शिंदे

इस अवसर पर बोलते हुए फडणवीस ने कहा कि वह एक ही विधानसभा कार्यकाल (2019 से 2024 के बीच) के दौरान मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और फिर उपमुख्यमंत्री बने और इसी तरह पवार भी उसी अवधि के दौरान उपमुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और फिर उपमुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री शिंदे ने बाद में पत्रकारों से बात करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि पिछले दो वर्षों में विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के कारण उनकी सरकार विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता बरकरार रखेगी।

शिंदे-फडणवीस मेरे जूनियर हैं, मुख्यमंत्री बनाने का ऑफर मिलता तो पूरी एनसीपी साथ ले आता : अजित पवार

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि अगर भाजपा और शिवसेना ने उन्हें मुख्यमंत्री पद का ऑफर दिया होता तो वे पूरी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को अपने साथ ले आते। उन्होंने कहा कि राजनीति में वे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दोनों से वरिष्ठ हैं। पवार मौजूदा मुख्यमंत्री योद्धा कर्मयोगी- एकनाथ संभाजी शिंदे की जीवनी के विमोचन के मौके पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में शिंदे और फडणवीस भी मौजूद थे।जुलाई 2023 में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी और एनसीपी से अलग होकर भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए। अजित पवार

ने कहा, सब आगे बढ़ गए और मैं पीछे रह गया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस 1999 में और शिंदे 2004 में पहली बार विधायक बने थे, जबकि वे पहली बार 1990 में विधानसभा के सदस्य बने थे। पवार ने चुटकी लेते हुए कहा, मैंने कुछ लोगों से मजाक में कहा था कि जब आपने (साफ तौर पर भाजपा की ओर इशारा करते हुए) एकनाथ शिंदे से कहा था कि वे इतने विधायकों के साथ आएं और उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा... तो आपको मुझसे पूछना चाहिए था। मैं पूरी पार्टी साथ लेकर आता। इस पर फडणवीस, शिंदे और खुद अजित पवार भी हंसने लगते हैं। इसके बाद पवार ने बनावटी गंभीरता के साथ कहा, दोस्तों, यह मजाक है, रहने दो। जीवन में जो कुछ भी होता है, वह भाग्य में लिखा होता है। हमें अपना काम करते रहना चाहिए।

उद्धव ठाकरे ने सुनीता केजरीवाल से की मुलाकात

पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गुरुवार (8 अगस्त) को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। इस मौके पर उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी मौजूद थ। दोनों नेताओं की ये मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब पिछले दिनों आम आदमी पार्टी (आप) ने महाराष्ट्र में चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। ऐसे में अब अटकलें शुरू हो गई है कि क्या आम आदमी पार्टी महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी (एमवीए) में शामिल होगी। एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार की एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस शामिल है। उद्धव ठाकरे आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ लगातार आवाज उठाते रहे हैं।

भ्रष्ट सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने की तैयारी : जयंत

एनसीपी (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि वे मौजूदा भ्रष्ट सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए अपनी रैली निकाल रहे हैं, इसलिए, उन्होंने 9 अगस्त का दिन चुना है, जब मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान से स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ वापस जाओ के नारे लगाए गए थे। इसका जवाब देते हुए अजित पवार ने शरद खेमे के आरोपों पर पलटवार करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें राजनीति करते रहना चाहिए, हम सिर्फ विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं, जय महाराष्ट्र।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारत पर अंतरिम सरकार से संबंध बनाने का रहेगा दबाव!

बांग्लादेश में नोबेल प्राइज विनर मोहम्द युनूस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने जा रही है। उम्मीद की जानी चाहिए भारत के साथ उनके अच्छे रिश्ते बने रहेंगे। युनूस एक बैंकर हैं जिन्होंने बांग्लादेश में गरीबी को दूर करने के लिए काफी उम्दा काम किया था। उन्होंने वहां पर माइक्रोफांइनेंस पर जोर दिया जिसका लाभ बांग्लादेश को मिला था। हालांकि उनके संबंध शेख हसीना के साथ दोस्ताना नही थे इसलिए उन्हें देश से दूर फ्रांस में रना पड़ा। पर जब देश में संकट आया तो सेना उन्हीं को सलाहकार बनाया। अब उम्मीद की जानी चाहिए उनकी सरपरस्ती में बांग्लादेश में तरक्की के साथ अमनचैन आएगा और पड़ोसी देशों के साथ भी अच्छे संबध और प्रगाढ़ होंगे। गौरतलब हो कि बांग्लादेश में छात्र आंदोलन ने सत्ता परिवर्तन का माहौल बना दिया था। शेख हसीना की संतुलित नीतियों का असर भारत के साथ रिश्तों पर भी दिखा। अगर हालात बिगड़ते हैं, तो भारत को सुरक्षा और व्यापारिक मसलों पर सतर्क रहना पड़ेगा।

चीन और पाकिस्तान इस मौके का फायदा उठा सकते हैं। बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुआ छात्र आंदोलन सत्ता परिवर्तन तक जा पहुंचा। अतीत यही बताता है कि बांग्लादेश का संकट केवल उसका नहीं होता। जब-जब वह मुसीबत में घिरा है, तो उसकी परछाई भारत तक भी आई है। सवाल है कि इस बार वह परछाई कैसी और कितनी बड़ी होगी? दोबांग्लादेश में ऐसे समय बदलाव हो रहा है, जब एक और करीबी पड़ोसी मालदीव के साथ भारत के रिश्तों में ठंडापन आया है। शेख हसीना की नीतियों में संतुलन था। घरेलू मोर्चे पर उनकी कार्यशैली को लेकर जो भी आलोचना रही हो, लेकिन विदेश मामलों में उन्होंने भारत, चीन और पश्चिम के बीच बैलेंस बनाए रखा था। बांग्लादेश के साथ भारत के करीबी व्यापारिक रिश्ते हैं। कोविड के बाद से दोनों के बीच ट्रेड में लगातार बढ़ोतरी हुई है। दोनों मिलकर कई प्रॉजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। शेख हसीना का भारत के साथ कूटनीतिक और राजनीतिक ही नहीं, भावनात्मक नाता भी है। दोनों देश एक लंबी सीमा रेखा साझा करते हैं। बांग्लादेश में हालात बिगड़ते ही जिस तरह भारत में बॉर्डर पर मुस्तैदी बढ़ा दी गई, उससे ही समझा जा सकता है कि वहां की घटनाएं हम पर किस तरह का असर डाल सकती हैं। पूर्व पीएम खालिदा जिया की रिहाई के आदेश दिए गए हैं। अभी यह भी साफ नहीं है कि अंतरिम सरकार में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को जगह मिलेगी या नहीं, लेकिन जो भी सरकार आती है भारत को उसके साथ रिश्ते आगे बढ़ाने चाहिए।

“ गौरतलब हो कि बांग्लादेश में छात्र आंदोलन ने सत्ता परिवर्तन का माहौल बना दिया था। शेख हसीना की संतुलित नीतियों का असर भारत के साथ रिश्तों पर भी दिखा। अगर हालात बिगड़ते हैं, तो भारत को सुरक्षा और व्यापारिक मसलों पर सतर्क रहना पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान इस मौके का फायदा उठा सकते हैं। बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुआ छात्र आंदोलन सत्ता परिवर्तन तक जा पहुंचा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सियासी खींचतान के बीच जन सुविधाओं की अनदेखी

ज्ञानेन्द्र रावत

देश की राजधानी दिल्ली अब रहने की दृष्टि से बेहतर तो नहीं कही जा सकती है। प्रदूषण की मार से तो दिल्लीवासी पहले से ही त्रस्त हैं, साफ हवा में सांस लेने को बरसों से तरस ही रहे हैं। साथ ही सड़कों की बदहाली और पुरानी सीवेज प्रणाली की जर्जर अवस्था के चलते जलभराव की समस्या से उनका जीना दूभर हो गया। जहां तक जन सुविधाओं का सवाल है, तो प्रशासनिक स्तर पर भी दिल्ली की जनता केन्द्र की भाजपा सरकार और दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के बीच सालों से जारी अस्तित्व की लड़ाई में पिस रही है। दोनों स्तरों की सरकारों के बीच अधिकारों को लेकर रस्साकशी में दिल्लीवासियों की परेशानियों का समाधान नहीं हो पा रहा। वे सुकून से जिंदगी बसर नहीं कर पा रहे हैं। जहां तक सड़कों का सवाल है, पीडब्ल्यूडी द्वारा, सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी के मुताबिक, बीते साल जुलाई से नवम्बर के बीच आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर किये सड़क सुरक्षा के उद्देश्य से हुए ऑडिट में फुटपाथ की संरचना, डिजाइन और सीवेज सिस्टम को लेकर गंभीर सवाल उठाये गये हैं।

इसमें गंभीर चिंता व्यक्त की गयी कि राजधानी दिल्ली में करीब 46 फीसदी जोनों में यातायात को सुगमता पूर्वक सुरक्षित चलाने को जो कदम उठाये जाने चाहिए थे, उनका अभाव रहा है। जबकि दिल्ली को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने का दावा लगातार किया जाता है लेकिन हालात इसके उलट गवाही देते हैं। दिल्ली की सड़कें तो सड़कें, जंक्शन और फुटपाथ भी सुरक्षित नहीं हैं। सड़क सुरक्षा को लेकर उठे सवालों के मद्देनजर 69 फीसदी रोड साइनेज इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों पर खरे नहीं उतरते। फुटपाथ भी मानकों के अनुरूप नहीं। इंडियन रोड कांग्रेस के मुताबिक सड़कों की फुटपाथ की चौड़ाई 2.5 मीटर होनी चाहिए ताकि दो व्हील चेयर एक साथ गुजर सकें। लेकिन केवल 25 फीसदी फुटपाथ इन मानकों के अनुरूप हैं जो राहगीरों के लिए उपयुक्त हैं। फुटपाथों की हालत बेहद ही खराब है। कहीं उनकी टाइल्स उखड़ी पड़ी है तो कहीं पूरी तरह ही टूटा पड़ा है। वहां चलना भी मुश्किल है।

पुरानी दिल्ली की बात छोड़िए, रिंग रोड भी बदहाली का शिकार है। रिंगरोड पर जहां सबसे ज्यादा वाहन गुजरते हैं, उस पर मजनूं का टीला, चंदगीराम के अखाड़े के आसपास की सड़कें जर्जर

अवस्था में हैं, वे टूटी पड़ी हैं। वहां जेब्रा क्रॉसिंग की मार्किंग भी नहीं है, या नजर नहीं आती है। इससे राहगीरों को सड़क पार करने में परेशानी होती है। हादसों की आशंका सदैव बनी रहती है सो अलग। पूर्वी दिल्ली की वजीराबाद रोड का हाल भी ऐसा ही है। यहां सबसे ज्यादा व्यस्त रहने वाला लोनी-गोकुलपुरी रोड वाला जंक्शन यानी गोल चक्कर जहां से गाजियाबाद को सड़क जाती है, टूटे होने और जेब्रा क्रॉसिंग न होने के चलते हादसों को न्योता दे रहा है। सबसे ज्यादा खतरनाक हालात आजादपुर चौक, भलस्वा चौक, मुकरबा चौक, बुराड़ी चौक, पंजाबी बाग चौक, गाजीपुर फ्लाई ओवर की है जहां सड़क हादसे आम हैं। अब जरा दिल्ली की जल निकासी पर भी नजर डालें। हालात इस बात की गवाही देते हैं कि दिल्ली का दशकों पुराना ड्रेनेज सिस्टम यहां की जल निकासी की मात्रा की दृष्टि से अब इतना पुराना हो चुका है कि राजधानी दिल्ली की करीब सवा दो करोड़ आबादी का जल तथा गंदे पानी का भार सहने की क्षमता खो चुका है। फिर भी दिल्ली उसी 48 साल पुराने ड्रेनेज सिस्टम पर आश्रित है जब यहां आबादी मात्र 60 लाख के आस-पास होती थी। यही वह कारण है कि जरा-सी बारिश में दिल्ली पानी-पानी हो जाती है और यदि बारिश तगड़ी हो गयी और वह घंटों तक जारी रही, उस हालत में दिल्ली जलभराव से डूब ही जाती है। यह हालत अब पुरानी दिल्ली की ही नहीं होती, लुटियन जोन नयी दिल्ली भी जलभराव का शिकार हुए बिना नहीं रहती। इन सबके लिए जिम्मेदार पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था न होना और नालों की समय-समय पर सफाई न होना है। तेज बारिश के चलते जलभराव होने से कहीं सड़क धंसने से गड्ढे हो जाते हैं, कहीं सीवर के मैनहोल में स्कूटर समा जाते हैं तो कभी राहगीर। कभी-कभी तो लुटियन जोन में भी घंटों आवाजाही बंद हो जाती है।

ऐसे में दुपहिया वाहनों, कारों का गंदगी से भरे पानी में लगे जाम में घंटों फंसे रहना उनकी नियति बन चुकी है। गलियों-सड़कों पर पानी भरकर सड़क धंसने से वाहनों का पानी में डूबना और जमीन में समा जाने जैसे हादसे भी अब आम हैं। जाहिर है यह सब जलभराव से निपटने के सरकारी दावों की नाकामी का सबूत है। वह बात दीगर है कि पीडब्ल्यूडी यह दावा करते नहीं थकती कि जलभराव के चलते जल निकासी हेतु सैकड़ों पंप लगाये जाते हैं लेकिन बारिश के विषम हालात, नालों की सफाई न होने और उनमें गंदगी भरे रहने से जल्दी जल भराव से निजात मिल पाना मुश्किल हो जाता है।

आखिर हसीना कैसे शुमार हुई तानाशाहों में

ज्योति मल्होत्रा

बीते सोमवार सायं को बांग्लादेश में भड़के अराजक आंदोलन के दौरान एक 'प्रदर्शनकारी' द्वारा बंगबंधु मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा पर हथोड़ा चलाने की तस्वीर सिहरन पैदा करने वाली थी। हमें लगता है यह किसी आंदोलनकारी छात्र का काम नहीं हो सकता-कतई नहीं -भले ही वह बंगबंधु की बेटी से कितना भी नाराज़ क्यों न हो। यहां तक कि अगर शेख हसीना उस वक्त भी चुप रहीं, जब पिछले कुछ हफ्तों से चल रहे आंदोलन में 'देखते ही गोली मार दो' आदेश के बाद सुरक्षा बलों के हाथों 300 से अधिक मारे गए और यह हुक्म और किसी ने नहीं बल्कि उनकी आवामी लीग पार्टी के महासचिव ओबेदुल कादर ने दिया था। यदि बंगबंधु जीवित होते तो वे भी इन वैचारिक तौर पर विकृत लोगों का निशाना बन जाते, जिन्हें 1971 में बांग्लादेश को आजाद करवाने के लिए हुए लासानी युद्ध के बारे में तो बहुत कम या जरा इल्म नहीं है।

वे बांग्लादेश के उस राष्ट्रपिता की पुत्री हैं जो कभी गलत नहीं कर सकते थे, शेख हसीना तो लोकतंत्र की बेटी हैं, जो 15 अगस्त 1975 की मनहूस रात को हुए नरसंहार से बच गई थीं -जब उनके बाकी परिवार को विद्रोहियों द्वारा क्रूरता से खत्म कर दिया गया- सिर्फ इसलिए कि क्योंकि वे और उनकी बहन रेहाना, उस दिन धानमोंडी के पुश्तैनी घर में मौजूद नहीं थीं। आज हसीना को उन तानाशाहों की जमात में रखा जा रहा है जो अपनों का खून बहाने से पहले जरा नहीं सोचते, क्योंकि उन्हें यही करना पड़ता है, अपना बचाव सर्वप्रथम जो होता है। पर यह सब हो गुजरने की नौबत बनी कैसे? शेख हसीना कैसे ओबेदुल कादर को अनुमति दे सकती हैं कि जो कोई प्रदर्शन करने की जुर्रत करे, उसे मार डाला जाए? स्पष्टत: 1971 की क्रांति खुद को दोहरा रही है। यह अपने संतान खुद खाने जैसा है। बताया जा रहा है, ढाका में दो हफ्ते पहले हुई अभागी पत्रकार वार्ता में कादर ने कहा कि यदि छात्र अपना आंदोलन बंद कर घर वापसी नहीं करते तो 'इन्हें सीधा करने' को अपनी आवामी लीग के कार्यकर्ताओं को हुक्म देना पड़ेगा।

तो क्या इसका मतलब है कि शेख हसीना की पार्टी वालों ने ढाका और चटगांव में प्रदर्शनकारी निर्दोष विद्यार्थियों पर गोलियां चलाईं? यह अभी जांच का विषय है। लेकिन यूनिसेफ ने कहा है कि जुलाई माह के आंदोलन में कम से कम 32 छात्र मारे गए हैं। यह कैसे हो सकता है कि शेख हसीना जिन्हें अपना पूरा परिवार नरसंहार में गंवाया हो और उसके बाद दिल्ली के पंडारा रोड के एक घर में अपनी बहन रेहाना और किशोर भाई रसेल के साथ बतौर राजनीतिक शरणार्थी रहना पड़ा, और इस दौरान उनके प्रिय बांग्लादेश में पाकिस्तान परस्त ताकतें सत्तासीन हो गईं- क्योंकर उन्होंने खुद को इतना बिखरने दिया कि उन्हीं तानाशाहों का प्रतिबिम्ब बन गईं, जिनसे कभी नफरत थी? अब जबकि उन्हें दिल्ली के पास हिंडन वायुसेना अड्डे पर या उसके पास 'भारतीय सेफ हाउस' में रहना पड़ रहा है और केवल एक घंटे की दूरी पर, दिल्ली में रह रही और विश्व स्वास्थ्य संगठन में नौकरी कर रही अपनी बेटी साइमा वाजेद से मिलने तक की अनुमति नहीं है, तो शायद वे कुछ समय निकालकर अपने भीतर झांकेगी कि कैसे और क्यों उन्होंने इस मनहूस स्थिति को बनने दिया।

जनवरी माह में, जब विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा दूसरी बार भी आम चुनाव का बहिष्कार किए जाने के बाद, शेख हसीना ने इस निर्णय पर हेकड़ी पूर्ण रुख अख्तियार करते हुए, बीएनपी के बड़े नेताओं को गिरफ्तार करने का हुक्म दिया, यह एक तरह से उनके चेहरे पर थूकने जैसा था। भले ही ये दो महिलाएं, शेख हसीना और पिछले सालों से अस्वस्थ चल रही बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया, एक-दूजे को सख्त नापसंद करती हों, किंतु लोकतंत्र के पहले नियम का तकाजा है कि चाहे आप किसी विपक्षी नेता से कितनी भी दिली नफरत क्यों न करते हों, फिर भी उसे अपनी बात कहने का मौका तो देना ही पड़ेगा। लेकिन हसीना अड़ी रहीं - और भारत सरकार के पास उनकी दलीलों को मानने के सिवा कोई चारा नहीं रहा- लेकिन यदि भारत उनके अधिनायकवादी तौर-तरीकों से चुनाव के जरिये सत्ता में वापसी का समर्थन न करता रहता तो बंगाल की खाड़ी उन मगरमच्छों का आशियाना बन जाती, जिनका प्रशिक्षण और पोषण पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान करता आया है। विडंबना है कि वह आकलन भी एकदम सच था। इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी सहित अपने से पहले के प्रधानमंत्रियों की भांति नरेंद्र मोदी को भी अहसास रहा कि भारत के पास शेख हसीना का समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

जब 2001 से 2006 के बीच बीएनपी सत्ता में रही, तब न केवल भारत के उत्तर-पूर्वी इलाके को गहरी उथल-पुथल में धकेला गया बल्कि पाकिस्तान परस्त तत्वों ने चटगांव बंदरगाह से होकर बांग्लादेश में आधुनिक हथियारों की खेपों की खेपें उतारीं। यह एकदम सच है कि शेख हसीना की ढाका में वापसी भारत के लिए एक बड़ा वरदान रही। केवल 1971 के नाते से नहीं-यह सरगर्मी आरंभ से रही, जब विशेष रिश्ता कायम हुआ, जो न केवल मुक्ति बाहिनी और भारतीय सेना के बीच था बल्कि दोनों मुल्कों के नागरिकों के मध्य भी -और ये संबंध शेख हसीना के पिछले 15 सालों के प्रधानमंत्रित्व काल में भी बने रहे। भारत और शेख हसीना के नेतृत्व वाले बांग्लादेश के मध्य राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में एक बिल्कुल नई किस्म की साझेदारी बनी, जो बाकी दक्षिण एशिया के लिए आदर्श उदाहरण बनी।

नागपंचमी पर यहां करें सर्पराज के दर्शन

हिंदू धर्म में नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाते हैं। इस दिन नाग देवता की पूजा की जाती है। भगवान शिव के गले में नागराज वासुकी लिपटे रहते हैं। इसके लिए उन्होंने कठोर तप किया था, जिसके बाद उनको शिव जी के पास रहने का आशीर्वाद मिला। और उनके आराध्य भगवान शिव की भी पूजा करते हैं। सावन का महीना वैसे भी शिव जी की पूजा के लिए होता है, इसमें उनके प्रतीक चिह्नों का भी महत्व बढ़ जाता है। मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने या सर्प को दूध पिलाने से जीवन में सौभाग्य और समृद्धि आती है। आज नाग पंचमी मनाई जा रही है। नाग पंचमी के मौके पर नाग देव के मंदिरों के दर्शन के लिए जा सकते हैं और यहां पूजा अर्चना की जा सकती है।

कर्कोटक नागराज मंदिर

उज्जैन के महाकाल में कर्कोटक नाग मंदिर स्थित है, जहां पूजा करने से सर्प दोष से मुक्ति मिलती है। लेकिन कर्कोटक नागराज का सबसे प्राचीन मंदिर नैनीताल के पास है। भीमताल के कर्कोटक नाम की पहाड़ी के टॉप पर मंदिर बना है। मंदिर का वर्णन स्कंद पुराण के मानसखंड में मिलता है। मंदिर का इतिहास लगभग 5 हजार साल से अधिक पुराना है। नाग देवता कर्कोटक नाग को समर्पित यह मंदिर अनगिनत वर्षों से आस्था और रहस्य का केंद्र रहा है। नाग या सर्प देवता, कर्कोटक के पास बारिश को नियंत्रित करने की शक्ति है और स्थानीय लोग उन्हें सांप के काटने से बचाने और सौभाग्य लाने के लिए पूजते हैं।

नागचंद्रेश्वर मंदिर

मध्य प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग मंदिर स्थित हैं। वहीं यहां नाग देवता का एक प्राचीन मंदिर भी है। नागचंद्रेश्वर मंदिर उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित है। यह मंदिर के कपाट साल में एक बार नागपंचमी के दिन ही भक्तों के दर्शन के लिए खुलते हैं। मंदिर में भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी दशमुखी सर्प शय्या पर विराजित हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन नागराज तक्षक स्वंय मंदिर में मौजूद रहते हैं। पूरी दुनिया में यह एक मात्र ऐसा मंदिर है, जिसमें विष्णु भगवान की जगह भगवान भोलेनाथ सर्प शयया पर विराजमान हैं। शिवशंभु के गले और भुजाओं में भुजंग लिपटे हुए हैं।

शेषनाग मंदिर

जम्मू कश्मीर में भी नाग देवता का प्राचीन मंदिर है। शेषनाग मंदिर के नाम से प्रसिद्ध यह नाग मंदिर पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला में पटनीटॉप में स्थित है। इस मंदिर का इतिहास 600 साल पुराना है। कश्मीर का अनंतनाग क्षेत्र पहले नागवंशियों का गढ़ था। इस मंदिर में नागपंचमी का भव्य उत्सव होता है, जिसमें हजारों तीर्थयात्री शामिल होते हैं।

मन्नारशाला नाग मंदिर

केरल के अलेप्पी जिले में लगभग 40 किमी दूर मन्नारशाला नाग मंदिर स्थित है। इस मंदिर में एक या दो नहीं बल्कि 30 हजार नागों की प्रतिमाएं हैं। यहां नागराज के साथ उनकी जीवनसंगिनी नागायक्षी देवी विराजमान हैं। इस मंदिर के हर कोने के हर हिस्से में 30 हज़ार सापों की प्रतिमा स्थापित है। ये मंदिर लगभग 16 एकड़ के भूभाग में फैला हुआ है। मंदिर परिसर से ही लगा हुआ एक नम्बूदिरी का साधारण सा खानदानी घर है।

हंसना मना है

पठान- मैंने आपकी दूकान से मुर्गी दाना खरीदा था। दूकानदार- तो क्या हुआ, कुछ खराबी है क्या? पठान- हां, एक महीना हो गया उसे खेत में बोये हुए, अभी तक मुर्गी नहीं उगी।

सिपाही- घटना स्थल से थानेदार को फोन लगाकर बोला, जनाब यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी! थानेदार - क्यों? सिपाही- क्योंकि उसका पति पोछा लगे हुए गीले फर्श पर चलने लगा था! थानेदार- तुमने गिरफ्तार कर लिया उसको! सिपाही - नहीं साहब, पोछा अभी सूखा नहीं है!

एक मुर्गी के बच्चे ने अपनी मां से पूछा? मां इंसान पैदा होते ही अपना नाम रख लेते है, हमलोग अपना नाम क्यों नहीं रखते, मां ने कहां-बेटा, अपनी बिरादरी में नाम मरने के बाद रखा जाता है! चिकेन टिक्का, चिकेन चिली, चिकेन तंदूरी, चिकेन मलाई, चिकेन कढ़ाई..

लड़का- तुम लड़कियां विदाई के टाइम इतना रोती क्यों हो? लड़की - जब तू जाएगा ना, बिना तनख्वाह के दूसरे के घर का काम करने तो तू भी रोयेगा।

कहानी — पीपल एवं पथवारी

एक बुढ़िया थी। उसने अपनी बहू से कहा तू दूध दही बेच के आ। वह बेचने गई तो रास्ते में औरतें पीपल पथवारी सींच रहीं थीं। उनको सींचता देखकर बहू ने पूछा कि तुम यह क्या कर रही हो? औरतें बोली कि हम पीपल पथवारी सींच रही हैं। इससे अन्न और धन होता है। बारह वर्ष का बिछुड़ा हुआ पति मिल जाता है। बहु बोली ऐसी बात है। तो तुम पानी से सींचती हो तो मैं दूध से सींचूंगी। गूजरी बहू रोजाना दूध-दही बेचने नहीं जाती वह रोजाना दूध को पीपल में और दही पथवारी में सींचती। सास दूध-दही का दाम मांगती तो कह देती महीना पूरा हो जाने पर लाकर दूंगी। कार्तिक का महीना पूरा हो गया। पूर्णिमा के दिन बहू पीपल पथवारी के पास जाकर बैठ गई। पथवारी ने पूछा तुम मेरे पास क्यों बैठ गई। बहू बोली कि सासू दूध-दही का दाम मांगेगी। पीपल पथवारी बोली कि मेरे पास क्या दाम रखा है। ये भरा, डींडा पान पतूरा इसको ले जा। बहू ने वही ले जाकर कोठरी में रख दिया और डर के मारे कपड़ा ओढ़ कर सो गई। सासू बोली पैसे ले आई बहू। बहू बोली कोठरी में रखे हैं। सासू ने कोठरी खोल के देखी तो देखा हीरा-मोती जगमगा रहें हैं। सासू बोली बहू इतना धन कहां से लाई? बहू ने आकर देखा तो सच्ची में ही धन भरा हुआ है। बहू ने सास को सारी बात बता दी। सास ने कहा अब की कार्तिक में मैं भी पथवारी सीचूगीं। कार्तिक आया, सास दूध दही तो बेच आती हांडी धोकर पीपल पथवारी में चढ़ा देती। आकर बहू से कहती मेरे से दाम मांग। वह कहती सासू जी कोई बहू भी दाम मांगती है। मगर सासू कहती तू मांग। बहू बोली सासूजी पैसे ले आओ तो सास पीपल पथवारी के पास जाकर बैठ गयी। पीपल पथवारी ने सास को पान पतूरा भरा डींडा दे दिया। उसने ले जाकर कोठरी में रख दिया। बहू ने खोलकर देखा तो उसमें कीड़े-मकोड़े बिलबिला रहे हैं। बहू ने कहा सासूजी यह क्या? सास ने आकर देखा और बोलने लगी पीपल पथवारी बड़ी दोगली पटपीटन है। इसको तो धन दिया मुझको कीड़ा-मकोड़ा दिया। तब सब कोई बोलने लगे कि बहू तो सत् की भूखी सींची थी, तुम धन की भूखी।

7 अंतर खोजें

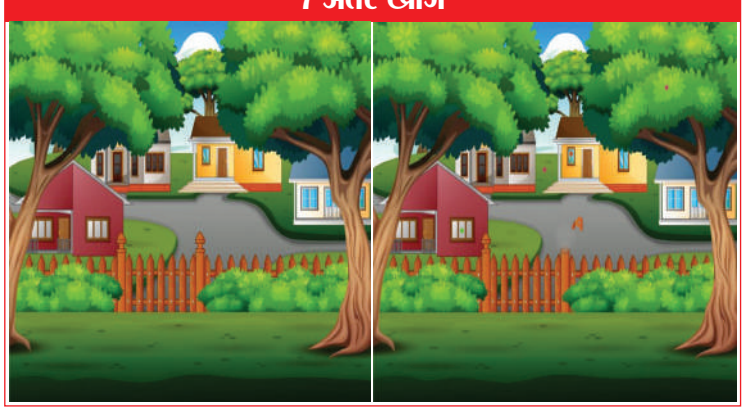

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृषभ जीवनसाथी को शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी।

मिथुन किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में उन्नति होगी। प्रमाद से बचें।

कर्क लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है।

सिंह पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक आय में निश्चितता रहेगी। आज विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

धनु व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री में मुझे तो लोग इज्जत देते हैं लेकिन काम नहीं : कुमार सानू

कुमार सानू हिंदी सिनेमा के मशहूर गायकों में से एक हैं। उन्हें 90 के दशक में तमाम सुपरहिट गाने देने के लिए जाना जाता है। आज भी कोई पार्टी, इवेंट या शादी उनके गानों के बिना अधूरी लगती है। वो जब भी स्टेज पर गाने के लिए आने आते हैं, अपनी आवाज से म्यूजिक लवर्स को मंत्रमुग्ध कर जाते हैं। हालांकि, उम्दा गायिकी के बावजूद आजकल फिल्मों में उनके गाने कम ही सुनने को मिलते हैं। जब सिंगर से इसकी वजह पूछी गई, तो उन्होंने शॉकिंग जवाब दिया। कुमार सानू से पूछा गया कि अब फिल्मों में उनके गाने कम क्यों सुनाई देते हैं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा- मेरी जर्नी अभी तक बहुत अच्छी रही है। इंडस्ट्री में हर कोई मुझे बहुत सम्मान देता है। पर सबसे बड़ी बात ये है कि लोग इज्जत देते हैं, प्यार देते हैं, हमारे गाने भी सुनते हैं, पर मुझे नहीं पता कि लोग मेरी आवाज को हिंदी फिल्मों के गानों में क्यों यूज नहीं कर रहे हैं। मेरे मन में ये सवाल आता है। जब भी मैं लोगों के सामने होता हूं, हर कोई मुझे बहुत प्यार देता है। पर क्यों ये लोग मुझे गाने का मौका नहीं देता हैं। पता नहीं लोगों का ये प्यार असली भी है या नहीं। पर जो भी है, इतना जरूर है कि सभी मुझे बहुत सम्मान देते हैं। कुमार सानू ने हाल ही में यूनाइटेड स्टेट्स में कई सारे लाइव शोज परफॉर्म किए हैं। इसे बारे में बताते हुए उन्होंने कहा- अभी भी कई लोग हैं, जो हमारी पीढ़ी की आवाज को पसंद करते हैं। वो कहते हैं-अगर हम गा सकते हैं, तो हमें गाने का मौका नहीं दिया जा रहा है। मेकर्स के मन में क्यों नहीं आता? मैं अभी भी शो कर रहा हूं। मेरी फैन फॉलोइंग भी है। मैं जहां भी जाता हूं, सारे शोज सोल्ड आउट हो जाते हैं। पब्लिक डिमांड है। मैं इस साल अक्टूबर और नंबर में भी लाइव शोज करने वाला हूं। अगर इंडस्ट्री वाले समझ जाएं, जो अच्छी बात है। नहीं तो उनका दुर्भाग्य है। कुमार सानू ने चुरा के दिल मेरा, दो दिल मिल रहे हैं और चोरी चोरी जब नजरें मिलीं जैसे तामम सुपरहिट गाने दिए हैं।

विनेश फोगाट के ओलंपिक से बाहर होने पर सेलेब्स का टूटा दिल, बोले-

सिस्टम से हारी, मगर तुम चैम्पियन हो

ओलंपिक गेम्स के फाइनल में पहुंचीं विनेश फोगाट...गोल्ड मेडल जीतने से कुछ कदम दूर अभी कुछ वक्त पहले ही पूरा भारत इस ऐतिहासिक पल की खुशियां मना रहा था। लेकिन एक पल में सबकी खुशियों पर ग्रहण लग गया। रेस्लर विनेश फोगाट का वजन ज्यादा बताते हुए उन्हें फाइनल राउंड से बाहर कर दिया गया। इस खबर से जितना रेस्लर का दिल टूटा है उतनी ही चोट भारतीयों के दिल पर लगी है। सोशल मीडिया पर रिएक्शन्स का सैलाब आ गया है। सेलेब्स भी जमकर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। ये सभी के लिए बेहद शॉकिंग है।

सोनाक्षी ने बताया चैम्पियन

विनेश के अयोग्य बताए जाने से सोनाक्षी को भी शॉक लगा है। उन्होंने लिखा- विश्वास नहीं होता। मैं सोच भी नहीं सकती कि इस वक्त आप कैसा फील कर रही होंगी। नहीं पता क्या कहूं। बस इतना कि आप चैम्पियन थे, हो और हमेशा रहोगे।

फरहान को है गर्व

फिल्म मेकर-एक्टर फरहान अख्तर भी विनेश फोगाट को सपोर्ट करते नजर आए, रेस्लर का मनोबल बढ़ाते हुए फरहान ने लिखा- डियर विनेश फोगाट... कोई सिर्फ कल्पना कर सकता है कि आप इस वक्त कितने हताश होंगे, लेकिन अभी भी पूरी तरह से समझ नहीं पाए हैं। आपके लिए दिल टूट गया है कि ये सब इस तरह से खत्म हुआ। लेकिन प्लीज ये जान लें कि हम सभी को आप पर और खेल के लिए आपके किए गए सभी कोशिशों पर बहुत गर्व है। आप हमेशा एक चैंपियन और लाखों लोगों के लिए प्रेरणा रहेंगी।

सोफी का टूटा दिल

इस पर दुख जताते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने कहा कि मैं बहुत दुखी हूं और साथ ही बहुत गुस्सा भी। ये बहुत गलत है। 0.1 किग्रा? मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि उन्हें कैसा महसूस हो रहा होगा।

स्वरा भास्कर ने जताया शक

एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने शक जताया है कि विनेश के साथ साजिश की गई है। स्वरा ने लिखा- किसे इस 100 ग्राम की बढ़े हुए वजन की थ्योरी पर विश्वास है?

परवीन बॉबी की बायोपिक में दिखेंगी तृप्ति डिमरी

संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल की सफलता के बाद से तृप्ति डिमरी के सितारे बुलंदियों पर हैं। उन्हें एक के बाद एक कई बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए कास्ट किया जा रहा है। अब लगता है कि तृप्ति के हाथ में एक और बड़ी फिल्म लग गई है। हाल ही में खबर आई है कि तृप्ति को बॉलीवुड की एक दिग्गज अदाकारा की बायोपिक में देखा जा सकता है। ये एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि बताया जा रहा है कि तृप्ति को परवीन बाबी की जिंदगी पर बन रही फिल्म में देखा जाने वाला है।

खबर है कि जल्द ही दर्शकों के बीच परवीन बाबी की बायोपिक पेश की जाने वाली है। वहीं, इस फिल्म में परवीन के रोल के लिए तृप्ति के नाम पर चर्चा चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म के लिए तृप्ति को सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। हालांकि, फिलहाल इस फिल्म के लिए तृप्ति के नाम को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

गौरतलब है कि तृप्ति से पहले परवीन बाबी की बायोपिक के लिए उर्वशी रौतेला का नाम भी सामने आया था। हालांकि, तृप्ति को इस फिल्म के कंफर्म माना जा रहा है। बता दें कि करिश्मा उपाध्याय की लिखित इस बायोपिक को लेकर काफी समय से चर्चा चल रही है। यह उनकी बायोपिक परवीन बाबी- ए लाइफ पर बेस्ड होगी, जो मानसिक स्थिति पर बात करती है। परवीन बाबी 70-80 के दशक में इंडस्ट्री की टॉप एक्सेसेज में से एक मानी जाती थीं। उन्होंने अपने करियर में दीवार, अमर अकबर एंथनी, मजबूर, त्रिमूर्ति और खट्टा मीठा जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से दुनियाभर के लोगों को दिल जीता था।

अजब-गजब | एंकल मानिटरिंग सिस्टम द्वारा होती है इस देश में कैदियों की निगरानी

वो इकलौता देश, जहां पर नहीं है कोई अपराधी

दुनियाभर में कई ऐसे देश हैं, जहां पर जाना सुरक्षित नहीं है। इनमें से किसी देश में आतंकवादियों का बोलबाला है, तो कहीं पर गरीबी-भूखमरी की वजह से लूट-पाट और मर्डर आम बात है। ऐसे में पुलिस को भी काफी मुस्तैदी दिखानी पड़ती है। लेकिन क्या आप किसी ऐसे देश के बारे में जानते हैं, जहां पर न तो कोई अपराधी है और ना ही अब कोई जेल है? आप सुनकर ही हैरानी हो रही होगी कि क्या वाकई में धरती पर कोई ऐसी जगह या देश है, जहां क्राइम नहीं होता? ऐसे में बता दें कि यूरोप में ऐसा ही एक देश है।

अब आप सोच रहे होंगे कि उस देश का नाम क्या है? ऐसे में बता दें कि यह देश नीदरलैंड है, जहां पर कोई अपराधी नहीं है। साल 2013 में यहां पर 19 कैदी हुआ करते थे, लेकिन 2018 आते-आते जेलें विरान हो गईं। ऐसे में इस यूरोपीय देश अपराध दर में कमी के परिणामस्वरूप जल्द ही अपनी जेलों को बंद करने का फैसला ले लिया था। लेकिन इसमें भी एक समस्या आने लगी। वो यह कि जेल में काम करने वाले कर्मचारियों का क्या होगा? टेलीग्राफ यूके की 2016 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, उच न्याय मंत्रालय ने सुझाव दिया था कि अगले पांच वर्षों में कुल अपराध दर में प्रति वर्ष 0.9 प्रतिशत की गिरावट आएगी। ऐसे में जेलों को बंद कर देना ही उचित है।

लेकिन तब यह भी सवाल सामने आने लगे थे कि जेलों को बंद करने का मतलब लगभग 2 हजार लोग नौकरी खो देंगे। उनमें से सिर्फ 700 लोगों को ही अन्य सरकारी भूमिकाओं के लिए ट्रांसफर किया जा सकता है। साल 2018 में खाली जेलों का मुद्दा इस हद तक पहुंच गया था कि 2017 में नीदरलैंड को अपनी जेलों को भरा रखने तथा व्यवस्था को चालू रखने के लिए नॉर्वे से कैदियों को लाना पड़ा था। हालांकि, नीदरलैंड में जेल अभी भी हैं, लेकिन कैदियों की संख्या बहुत कम हैं। ज्यादातर बाहरी देशों के कैदी ही इनमें बंद हैं। इनकी देखरेख के लिए एंकल मॉनिटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही साथ सजा काट रहे लोगों को पढ़ने लिखने से लेकर खुले में काम करने तक का मौका दिया जाता है। एंकल मॉनिटरिंग सिस्टम एक ऐसी डिवाइस है, जिसे घर में नजरबंद किए गए लोगों या जेलों में बंद कैदियों को हर समय पहनना जरूरी होता है। इसके जरिए कैदियों को एक तय सीमा के अंदर रहना होता है। अगर वे कहीं बाहर जाने की कोशिश करते हैं, तो एंकल मॉनिटरिंग सिस्टम में लगे रेडियो फ्रिक्वेंसी सिग्नल से पुलिस को तुरंत इसकी जानकारी मिल जाती है। इतना ही नहीं, एंकल मॉनिटरिंग सिस्टम देश में पारंपरिक कारावास के मुकाबले दोषी अपराधी द्वारा दोबारा अपराध करने की प्रवृत्ति की दर को आधे से भी कम करने में सक्षम रहा है। इसलिए कैदियों को पूरे दिन बैठाने के बजाय, उनसे काम करने के लिए कहा जाता है और उन्हें सिस्टम में वापस लाया जा सके।

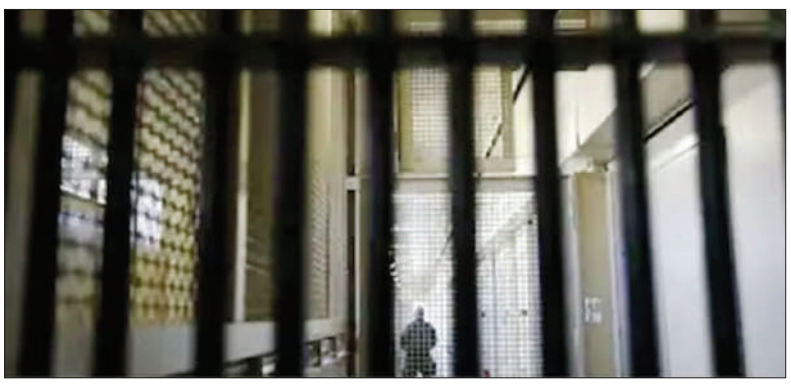

भूत करते हैं यहां घरों की रक्षा दिन-रात घूमती रहती हैं आत्माएं!

रांची। भारत के सबसे बड़े, छोटे, अनोखे और सुंदर गांव की कई कहानियां आपने सुनी होंगी। लेकिन रांची का एक गांव ऐसा है कि लोग इसका नाम सुन भी डर जाते हैं। खूंटी जिले में बसे इस गांव का नाम भूत है। यहां हर घर के सामने कब्र बनी है। इन कब्रों को खुद लोग बनवाते हैं। उनके लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है। पर बाहरी लोग इस गांव का नाम सुन भी डर जाते हैं। हर किसी के मन में एक ही सवाल आता है कि गांव वालों को भूतों से डर क्यों नहीं लगता है।

इस अनोखे भूत गांव में आदिवासी समाज के लोग रहते हैं। यहां सालों से पुरखों की कब्र बनवाने की परंपरा चल रही है, जिसका नाम उम्बूलादेर है। हर घर के सामने एक कब्र दिखाई देती है। लोग इन कब्रों की पूजा करते हैं। किसी भी खास काम को करने से पहले भी भूतों को याद किया जाता है। ऐसा न करने से गांव वालों को हानि हो सकती है। हर कब्र पर मृत्यु की तारीख समेत तमाम डिटेल्स लिखी जाती है।

इस गांव की रक्षा के लिए किसी गार्ड की जरूरत नहीं है। पूरे गांव की रक्षा भूत करते हैं। हर घर की सुरक्षा के लिए एक अलग भूत है। दिन-रात आत्माएं घूमती हैं। लोग उनसे डरते भी नहीं है क्योंकि भूत कोई और नहीं उनके पूर्वज ही हैं। आज तक इस गांव के किसी भी इंसान को भूत ने कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है। लोगों का मानना है कि भूत खुश हो तो परिवार में बरकत होती है। समय के साथ गांव के हालात बदल गए हैं। लेकिन एक समय पर लोग यहां शादी करने से डरते थे। कई दुल्हनें तो शादी करके आईं, लेकिन अनोखी परंपरा देख कर वापस लौट गईं। हालांकि, अब लोग समझ गए हैं कि इन भूतों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। भारत के कई हिस्सों में लोग नया सामान खरीदकर मंदिर में रखते हैं। लेकिन इस गांव में ऐसा नहीं होता। लोग कब्र पर सामान रखते हैं। ताकि पूर्वज का आर्शिवाद मिल सके और सामान बिना खराबी के चलता रहे। रांची से 40 किलोमीटर दूर खूंटी गांव में यह गांव बसा है। रांची से कार या बाइक/स्कूटी से इस गांव तक आ सकते हैं। कई लोकल लोग टैक्सी और ऑटो भी चलाते हैं, जो सीधा गांव में उतारती है।

राज्यसभा को गुमराह कर रहे शिक्षामंत्री : जयराम रमेश

» धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

» कांग्रेस ने लगाया एनसीईआरटी किताबों से प्रस्तावना हटाने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ राज्यसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया गया है। ये नोटिस कांग्रेस महासचिव और सांसद जयराम रमेश ने एनसीईआरटी (एनसीईआरटी) की किताबों से प्रस्तावना हटाने के मुद्दे पर दिया है। जयराम ने प्रधान पर राज्यसभा को गुमराह करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता ने नोटिस में कहा,मैं राज्यसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के नियम 187 के तहत शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ सदन को गुमराह करने का नोटिस देता हूं।

खरगे ने उठाया था मुद्दा

कांग्रेस सांसद जयराम ने कहा कि विपक्ष के नेता के जवाब में प्रधान द्वारा दिया गया बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। उन्होंने नोटिस में कहा, धर्मेंद्र प्रधान का यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। अपने तर्क के समर्थन में जयराम ने कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तक लुकिंग अराउंड (पर्यावरण अध्ययन) नवंबर 2022 संस्करण, हिंदी की पाठ्यपुस्तक रिमझिम-3 नवंबर 2022 संस्करण और कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तक हनीसकल दिसंबर 2022 संस्करण की प्रतियां संलग्न भी की। जयराम रमेश ने बुधवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के बयान का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने प्रस्तावना को हटाने का मामला उठाया था। मामले में शिक्षा मंत्री ने जवाब दिया कि हाल ही में कक्षा 6 की नई किताबों में भी प्रस्तावना है।

पीएम मोदी ने एससी-एसटी सांसदों को दिया भरोसा

अनुसूचित जाति (एससी) अनुसूचित जनजाति (एसटी) कोटे के उप-वर्गीकरण के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सियासी हलचल तेज है। इसी बीच एससी/एसी समुदायों से संबंधित लोकसभा और राज्यसभा के भाजपा सांसदों ने संसद भवन में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सांसदों ने संयुक्त रूप से एसटी/एससी के लिए क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को लेकर एक ज्ञापन सौंपा और मांग की कि इस फैसले को हमारे समाज में लागू नहीं किया जाना चाहिए। पीएम ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह इस मामले पर गौर करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान और रामदास अठावले ने भी विरोध जताया था। चिराग पासवान ने कहा था, उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी।

कुश्ती में नहीं, देश-विदेश के सिस्टम से हार गई विनेश : खाप

» किसान बोले- बुलाई जाएगी पंचायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

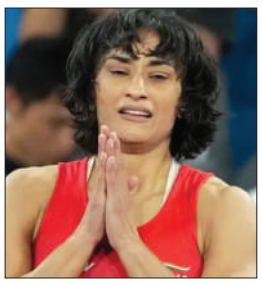

चरखी दादरी। हरियाणा के चरखी दादरी शहर स्थित बाबा स्वामी दयाल धाम पर सर्वजातीय फोगाट खाप-19 की पंचायत आयोजित की गई। इसमें विनेश फोगाट प्रकरण को लेकर खाप पदाधिकारियों ने मंथन किया। खाप सचिव सुरेश फोगाट ने कहा कि विनेश कुश्ती में नहीं, बल्कि देश-विदेश के सिस्टम से हार गई। विनेश को जबरन अयोग्य घोषित किया गया और इसे लेकर पूरे देश में काफी रोष है। खाप सचिव सुरेश फोगाट ने कहा कि विनेश फोगाट ने दुनिया की नंबर एक पहलवान को हराया है। इससे पहले विनेश ने उस सिस्टम को हराया जो उसे आगे नहीं बढ़ने देना चाहता था।

खाप प्रवक्ता शमशेर फोगाट ने कहा कि फोगाट खाप चाहती है कि बेटी को न्याय मिले। उन्होंने कहा कि विनेश फोगाट को भी हतोत्साहित और निराशावादी बयान नहीं देने चाहिए। खाप उपप्रधान धर्मपाल महाराणा ने बताया कि जल्द ही चरखी दादरी व भिवानी जिले की सभी खापों की पंचायत बुलाई जाएगी और विनेश फोगाट को न्याय दिलवाने की दिशा में निर्णय लेकर उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री व खेल मंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिसमें विनेश को स्वर्ण पदक विजेता की तर्ज पर सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग की जाएगी।गुरुवार को आयोजित पंचायत में कृष्ण फोगाट, रामकुमार फोगाट, राजबीर फोगाट, संजय, सीताराम, रामपाल फोगाट, महेंद्र, बलबीर, शमशेर, ईश्वर, राजेंद्र, नरेंद्र, महेंद्र व शिवकुमार आदि उपस्थित रहे।

नीरज ने बढ़ाया देश का मान: सपा प्रमुख

» ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने पर नीरज चोपड़ा को पूरे देश से मिल रही बधाई

» डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नीरज चोपड़ा को ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई दी है। सपा अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट के जरिए उन्हें जीत की शुभकामनाएं दी और कहा कि उन्होंने देश का मान बढ़ाया है, उनकी इस जीत की सभी खेल प्रेमियों को बधाई।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी नीरज चोपड़ा के सिल्वर मेडल हासिल करने पर बधाई दी और कहा कि लगातार दो ओलंपिक मेडल जीतने से भारतवासियों का मनवर्धन हुआ है. उन्होंने लिखा- पेरिस ओलंपिक 2024 में प्रसिद्ध भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में अद्भुत प्रतिभा व शानदार खेल के प्रदर्शन से सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है।

सीएम योगी ने बताई चमकीली जीत

सीएम योगी आदित्यनाथ ने नीरज चोपड़ा को बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, Glorious Silver नीरज चोपड़ा जी आपका हार्दिक अभिनंदन! 140 करोड़ भारत वासियों को आप पर गर्व है. जय हिंद!

राजधानी में हटने लगीं कोयले की भट्टियां

» हजरतगंज और आस-पास के इलाके से हुई शुरूआत

» 200 लोगों के यहां फ्री में बदली जाएंगी भट्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोयले से चलने वाली भट्टियां और तंदूर को बदलने का अभियान शुरू हो गया है। नगर निगम और ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) के सहयोग से यह अभियान शुरू किया गया है। जोन एक में शुरू हुए इस अभियान में पहले 200 लोगों के यहां फ्री में भट्टीं बदली जाएगी। मौजूदा समय एक तंदूर भट्टी की कीमत 9000 रुपए आ रही है। जोन एक के अधिकारियों के साथ लालबाग में सरदार जी छोले - भटोर और आस-पास के दुकानों पर इसको बदला गया।

नगर निगम जोन एक के इंस्पेक्टर राजा बाबू ने बताया कि शुक्र वार को भी अभियान चलाया जाएगा। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह की पहल पर शहर से प्रदूषण स्तर कम करने के लिए यह अभियान शुरू किया गया है। कोल भट्टी में गैस वाले की तुलना में काफी ज्यादा प्रदूषण निकलता है। ऐसे में प्रदूषण का स्तर कम करने के लिए नगर निगम ने यह फैसला लिया है। कोल भट्टी हटाने के नियम को धीरे - धीरे पूरे शहर में अनिवार्य कर दिया जाएगा।

दुकानदार और कारीगर कर रहे विरोध

नगर निगम के इस अभियान का हालांकि दुकानदार और कारीगर विरोध कर रहे है। उनका कहना है कि इससे शहर का जायका खराब हो जाएगा। तंदूरी रोटी, कबाब, नॉन रोटी समेत तमाम मुगलई आइटम बनाने वाले लोगों का कहना है कि कोयले वाली बात कभी भी गैस चूल्हा भट्टी पर नहीं आ सकती है। भोजन भी बराबर नहीं पकेगा।

3000 से ज्यादा कोयला भट्टियां चल रही है

शहर में मौजूदा समय करीब 3000 से ज्यादा कोयला भट्टियां चल रही हैं। वायु प्रदूषण नियंत्रण व एनजीटी की सख्ती के बाद होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में चलने वाली तंदूर की भट्टियों पर रोक लगाया जाएगा। इसके लिए नगर निगम तंदूर का इस्तेमाल करने वाले होटल व रेस्टोरेंट का सर्वे कराया जा रहा है।

स्वर्णिम भाले से चूके नीरज, चांदी पर कब्जा

» पाकिस्तान के अरशद को स्वर्ण मिलने पर नीरज की मां ने कहा- वह भी अपना ही लड़का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक्स 2024 में शानदार खेल दिखाते हुए सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया है। इसी के साथ भारत को पहला सिल्वर मेडल मिला है। भारत के पास कुल पांच मेडल हो चुके है, जिसमें एक सिल्वर और चार ब्रोंज शामिल है।

नीरज ने इससे पहले टोक्यो ओलंपिक 2020 में 87.58 मीटर दूर जैवलिन फेंक कर रिकॉर्ड बनाया था और गोल्ड मेडल हासिल किया था। इस बार नीरज ने एक शानदार रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक्स में फेंके गए भाले से भी दूर भाला फेंका है। मैच में छह अटेंप्ट्स में से पांच फाउल रहे, जबकि एक ही वैलिड थ्रो ने उन्हें सिल्वर मेडल जीता दिया। नीरज का थ्रो 89.45 मीटर का था, जो उनके गोल्ड मेडल के रिकॉर्ड से भी बेहतर था। कल नीरज को पाकिस्तानी खिलाड़ी नदीम अरशद से कड़ी टक्कर मिली। वहीं नदीम का पहला थ्रो फाउल रहा। उन्होंने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए दूसरा थ्रो ही 92.97 मीटर का लगाया। जहां सारा देश गोल्ड मेडल की उम्मीद लगाए बैठा था उन्हीं में नीरज चोपड़ा की मां भी शामिल थी। वहीं नीरज की मां ने अरशद के गोल्ड जीतने पर खुशी में रिएक्शन दिया है। जहां उन्हें बेटे के सिल्वर जीतने की खुशी है। लेकिन जिसने गोल्ड जीता है वो भी हमारा ही लड़का है। वो भी बहुत मेहनत करता है।

भारतीय हॉकी टीम ने 52 साल बाद लगातार 2 पदक जीते

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। टीम इंडिया की ओर से दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए। वहीं भारत ने ओलंपिक्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल जीता है। जबकि भारत की झोली में ये चौथा मेडल आया है। इसके साथ ही भारतीय हॉकी टीम ने अपने गोलकीपर पीआर श्रीजेश को ब्रॉन्ज मेडल के साथ बेहतरीन विदाई दी है। बता दें कि, इससे पहले टोक्यो ओलंपिक 2020 में भी भारत ने हॉकी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हॉकी में ओलंपिक में भारत का ये 13वां मेडल है। 52 साल बाद भारतीय हॉकी टीम ने पहली बार लगातार दूसरा मेडल जीता है।

शहीद पथ पर स्कूली बच्चों की गाड़ी डिवाइडर से टकराई, 6 बच्चे घायल

» पुलिस का दावा, टायर फटने से बड़ा हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के थाना सुशांत गोल सिटी में शहीद पथ के पास भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में एक स्कूली वैन डिवाइडर से टकरा गई जिसमें 6 बच्चे घायल हो गए। हादसा आज सुबह 7:30 बजे पलासियो मॉल के पास हुई। प्रात: एक वैन बच्चों को लेकर गोमती नगर सीएमएस स्कूल जा रही थी यह दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

दुर्घटना का कारण टायर फटना बताया जा रहा है। टायर फटने से गाड़ी डिवाइर से टकराई और दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस गाड़ी में 12 बच्चे सवार थे जिसमें 6 घायल हुए चार लोहिया अस्पताल में भर्ती कराए गए। दो बच्चे मेदांता अस्पताल में है। मेदांता में एक बच्ची है इसकी 9 वर्ष आयु है वह गंभीर है वह आईसीयू में भर्ती है शेष बच्चों को सामान्य चोट लगी है। 6 बच्चे घर भेजे जा चुके हैं।

मौके पर पुलिस ने ड्राइवर को कब्जे में लिया

ड्राइवर को कब्जे में ले लिया गया। थाना सुशांत को सिटी में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है घटना की सूचना प्राप्त होते ही एसीपी गोसाईगंज एडीसीपी ईस्ट द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया जा चुका इसमें एक गाड़ी और थी थार जो पीछे चल रही थी जब यह दुर्घटना ग्रस्त हुई तो वह भी टकराई और वह भी पलट गई उसमें भी बच्चे थे जो जयपुरिया के थे लेकिन उसके बच्चे सुरक्षित है किसी प्रकार की कोई चोट नहीं आई है।

फोटो: सुमित कुमार

डीएम सूर्यपाल गंगवार और प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद लोहिया अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने घायल बच्चों का हालचाल लिया और अस्पताल प्रशासन को बच्चों के उचित इलाज हेतु निर्देशित किया।

लोकतांत्रिक ढंग से बीजेपी-शिवसेना को सत्ता से बाहर निकालेंगे : राउत

» बोले- शिंदे सरकार ने महाराष्ट्र को लूटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। सभी राजनीतिक दलों ने सीट शेयरिंग को लेकर गठबंधन के सहयोगियों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। महाविकास अघाड़ी दल में मौजूद दलों के बीच भी सीट बंटवारे पर चर्चा हो रही है। हालांकि, इस बात पर आधिकारिक मुहर नहीं लग सकी है कि शिवसेना (यूबीटी) कितनी सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने आगे महायुति गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, जिस सरकार ने महाराष्ट्र को लूटा है। उसे सत्ता से बाहर निकालना है। हमें उन्हें शेख हसीना की तरह नहीं निकालना है। दौड़ा-दौड़ाकर नहीं मारना है। संजय राउत ने आगे कहा कि हमें लोकतांत्रिक तरीके से उन्हें बाहर निकलना है। लोग तो चाहते हैं कि शेख हसीना की तरह उनको (शिंदे सरकार) को बाहर निकालें, लेकिन हम डेमोक्रेटिक तरीके से उन्हें सत्ता से बाहर निकालेंगे।

सीट शेयरिंग पर बातें पूरी

शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीट शेयरिंग को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि हमारी सीट शेयरिंग की बातें पूरी हो चुकी है। महाविकास अघाड़ी दल में सीट शेयरिंग को लेकर कोई तनाव नहीं है। हम चाहते हैं कि हर सीट पर ऐसा उम्मीदवार खड़ा हो, चाहे वो किसी भी पार्टी से हो, जो चुनाव जीत सके। यही हमारा फॉर्मूला है।

कन्नौज में खड़े ट्रक में घुसा मिनी ट्रक, चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। घटना से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। यह हादसा गाजियाबाद कानपुर ग्रीन फील्ड हाईवे पर हुआ है।

» भीषण सड़क हादसा

मृतकों के शव पोस्टमार्टम हाउस भेज दिए गए हैं अभी उनकी पहचान नहीं हो पाई है। यहां खड़े ट्रक में मिनी ट्रक की सीधी टक्कर हो गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया है।

गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के जुनेदपुर गांव के पास शुक्रवार सुबह करीब सात बजे दिल्ली से कानपुर की ओर जा रहे चालक ने सर्विस रोड पर अपना ट्रक खड़ा कर दिया। इसके बाद वह केबिन में ही सो गया। शुक्रवार तड़के सुबह पीछे से आ रही मिनी ट्रक खड़े ट्रक से टकरा गई। इससे मिनी ट्रक में सवार चार लोगों की मौत हो गई। वहीं एक युवक घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया।

नगर निगम नहीं रोक पा रहा हाउस टैक्स में धांधली

» जोन सात का है मामला 1.37 लाख रुपए का टैक्स 52 हजार रुपए कर दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में हाउस टैक्स कम करने की धांधली रूकने का नाम नहीं ले रही है। एकबार फिर बड़ा मामला सामने आया है। जोन सात में यह खेल किया गया है। इसमें साल का हाउस टैक्स 1 लाख 37 हजार रुपए से घटाकर 52 हजार रुपए कर दिया गया है।

इंदिरा नगर गुड़िया पाठक के हाउस आईडी 9157॥7686 पर साल 2023 तक हर साल बिल 1 लाख 37 हजार रुपए होता है। लेकिन सल 2024 में यही बिल अचानक कम हो गया। बड़ी बात यह है यह बिल कमर्शियल है। पिछले कई साल से बिल ज्यादा जमा हो रहा था लेकिन अचानक उसमें खेल कर दिया है। बिल सीधे करीब ढ़ाई गुना तक कम हो गया है। पहले जिस मकान का एआरवी 918000 रुपए था। उसको कम कर अचानक 353115 कर दिया गया है। नगर निगम के आंकड़ों में संबंधित हाउस आईडी का बिल साल साल 2020 से 23 तक एक जमा होता है। उसके बाद अचानक साल 2024 उसमें 85 हजार रुपए की कमी आ जाती है। ऐसे में यह बिना अधिकारियों के मिले संभव नहीं है। बड़ी बात यह है कि नगर निगम में इस तरह का यह पहला मामला नहीं है। यहां जोन 8 में भी ऐसे कई मामले सामने आए है। जहां बिल कम करने का खेल किया गया है। इसको लेकर शासन स्तर पर शिकायत की गई है। एक तरफ जीआईएस सर्वे में आम लोग बढ़े हाउस टैक्स को सही कराने के लिए दौड़ लगा रहे है। दूसरी तरफ से नगर निगम को उनके ही विभाग के लोगो करोड़ों रुएए का चुना लगाते है।

इंस्पेक्टर और बाबू ने मिलकर किया खेल

नगर निगम के जानकारों का कहना है कि इस तरह का खेल नगर निगम के इस्पेक्टर और बाबू के मिली- भगत के बिना नहीं हो सकता है। इसमें दोनों मिले होंगे। खासकर इंस्पेक्टर की भूमिका ज्यादा होती है। ईस्माइलगंज द्वितीय वार्ड का यह खेल है।

नगर आयुक्त की सख्ती बेकार

इसको लेकर नगर आयुक्त की सख्ती भी बेकार जा रही है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए ही हर जोन के लिए एक अपर नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। बावजूद उसके हाउस टैक्स से संबंधित भ्रष्टाचार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आम आदमी को जहां दौड़ाया जा जाता है वहीं पैसे के बल पर लोग अपना हाउस टैक्स कम कर ले रहे है।

लखनऊ के दो डीसीपी हटे, रक्षामंत्री के सुरक्षा अधिकारी को मिली जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने बीती रात चार आईपीएस का तबादला कर दिया। लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात आईपीएस महेंद्र पाल सिंह को डीजीपी मुख्यालय में एसपी क्राइम बनाया गया है, जबकि आईपीएस शिवाजी को तकनीकी सेवा शाखा भेजा गया है।

प्रतीक्षारत चल रहे राम नयन सिंह और केशव कुमार को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी बनाया गया है। बता दें कि राम नयन सिंह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सुरक्षा अधिकारी रह चुके हैं। पीपीएस से आईपीएस बनने के बाद वह कुछ दिन पहले यूपी वापस आए थे।

राम नयन सिंह

फोटो: 4पीएम

धरना निशातगंज स्थित बेसिक शिक्षा कार्यालय पर बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अनुदेशकों ने अपनी मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया।

भाजपा-जेडीएस व कांग्रेस में वार-पलटवार

» प्लॉट घोटाले पर राज्य की सियासत गरमाई

» सार्वजनिक जीवन से संन्यास लें येदियुरप्पा : सिद्धारमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मैसूर अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के कथित 4000 करोड़ रुपये के प्लॉट घोटाले को लेकर कर्नाटक में दो आंदोलन एक साथ चल रहे हैं। बीजेपी और जे डी एस की पदयात्रा और इसके खिलाफ कांग्रेस भी जन आंदोलन कर रही है। लेकिन इन सबके बीच अब इस राजनीतिक लड़ाई में नया मोड़ आ गया है।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा और मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच दशकों पुराने संबंधों में खटास आ गयी है। पहली बार ऐसा हुआ है जब दोनो वरिष्ठ नेता एक दूसरे के खिलाफ सीधा हमला बोलते नज़र आ रहे हैं। ज्ञात हो कि बीजेपी की दो मांगे है, पहली की मुख्यमंत्री सिद्धरमैया इस्तीफा दे और दूसरी की मुडा घोटाले की जांच सीबीआई से करवाई जाए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का कहना है की उनकी पत्नी को जमीन के बदले मुडा ने 14 विकसित प्लॉट्स दिए. ये प्लॉट्स 2022-23 में दिए गए जब बीजेपी की बसवराज बोम्मई सरकार सत्ता में थी। अगर कुछ गलत था तो बीजेपी सरकार ने प्लॉट क्यों दिए,अपनी सफाई में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा की उनकी पत्नी ने तब भी प्लॉट्स के तौर पर अपना हक मांगा था जब वो अपने पहले टर्म में मुख्यमंत्री थे यानी 2013 से 2018 के बीच लेकिन उन्होंने इस फाइल को ठंडे बस्ते में डाल दिया था।

नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें मुख्यमंत्री : येदियुरप्पा

येदियुरप्पा ने कहा की मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मैसूर चलो पद यात्रा के दौरान येदियुरप्पा के इस बयान पर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया भड़क गए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा की। येदियुरप्पा को सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले लेना चाहिए। 82 साल की उम्र में वे पोक्सो मामले में फंस गए हैं। और ऐसे लोग मेरे खिलाफ बोलते हैं, उनके पास क्या नैतिक अधिकार है 17 साल की एक लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला इसी साल एक महिला ने येदियुरप्पा के खिलाफ दर्ज करवाया था। सीआईडी ने चार्जशीट दाखिल की है लेकिन कर्नाटक हाई कोर्ट ने फिलहाल येदियुरप्पा की गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।